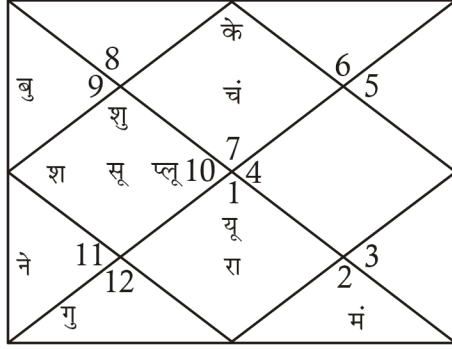


(प्र.सं. 6-9)



6. उपर्युक्त कुण्डली में राजयोग को स्पष्ट कीजिए।
7. उपर्युक्त कुण्डली में राहु ग्रह के कारकत्व को स्पष्ट कीजिए।
8. उपर्युक्त कुण्डली में रोग विचार को समझाइये।
9. उदाहरण सहित नवमांश साधन की विधि लिखिये।

खण्ड—स

2×20=40

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10. कारक ग्रह किसे कहते हैं ? चर-स्थिर कारक ग्रहों का वर्णन कीजिए।
11. जन्मकुण्डली के द्वादश भावों का कारकत्व का विवेचन कीजिए।
12. विवाह में जन्मपत्रिका मिलान को समझाइए।
13. ज्योतिषशास्त्र और जटिल रोगों के सम्बन्ध पर एक लेख लिखिए।

CIJ-03/4

(4)

TR-315

CIJ-03

December – Examination 2022

**Certificate in Phalit-Jyotish
Examination**

फलित ज्योतिष में प्रमाण-पत्र

Paper : CIJ-03

प्रायोगिक पेपर

Time : 3 Hours]

[Maximum Marks : 100

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है।

प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ

10×2=20

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

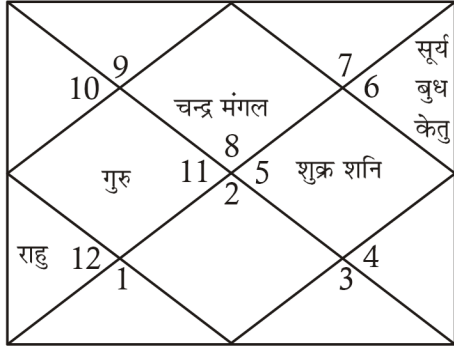
निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

CIJ-03/4

(1)

TR-315 Turn Over

1.



- (i) उपर्युक्त कुण्डली में राहु किस राशि में स्थित है ?
- (ii) उपर्युक्त कुण्डली सूर्य के साथ कौनसा योग है ?
- (iii) उपर्युक्त कुण्डली में शनि किस ग्रह को पूर्ण दृष्टि से देख रहा है ?
- (iv) स्थिर करण कौनसे हैं ?
- (v) चतुर्थ भाव में 6 राशि जोड़ने से कौनसा भाव प्राप्त होता है ?
- (vi) संवत्सरो की कुल संख्या कितनी है ?
- (vii) राशि के एक द्वादशांश का मान कितना होता है ?
- (viii) कौनसा ग्रह मन का कारक होता है ?
- (ix) किस भाव को व्ययस्थान कहा जाता है ?
- (x) किन भावों की 'चतुरस्र' संज्ञा होती है ?

CIJ-03/4

(2)

TR-315

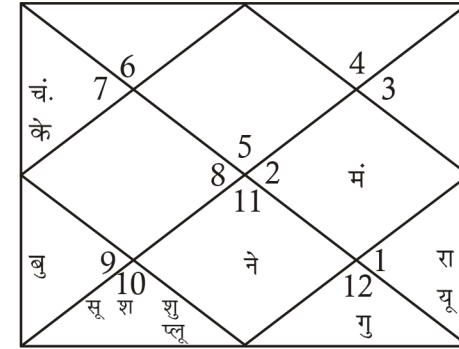
खण्ड—ब

4×10=40

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

(प्र.सं. 2-5)



2. उपर्युक्त कुण्डली के द्वितीय भाव का फलादेश कीजिए।
3. उपर्युक्त कुण्डली की आजीविका पर विचार कीजिए।
4. उपर्युक्त कुण्डली में धर्मभाव पर विचार कीजिए।
5. ग्रहों की मूल त्रिकोण राशियाँ लिखिये।

CIJ-03/4

(3)

TR-315 Turn Over